राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान

माध्यमिक पाठ्यक्रम : लेखांकन

पाठ 2 : लेखांकन अवधारणाएँ एवं परिपाटियां

कार्यपत्रक - 2

1. 'लेखांकन अवधारणाओं' को परिभाषित कीजिये । लेखांकन के लिए ये क्यों आवश्यक हैं?

2. वास्तविक जीवन के उदाहरण की सहायता से लेखांकन की द्विपक्षीय अवधारणा को स्पष्ट कीजिये ।

3. " लाभ की होने आशा न कर सभी हानियों के लिए प्रावधान करें "। उपयुक्त उदाहरण की सहायता से 'रूढ़िवादिता की परिपाटी' को स्पष्ट करते हुए कथन की व्याख्या करें।

4. निम्नलिखित लेन-देन के दो पहलू (प्रभाव) लिखें:

अनुक्रमांक	लेन-देन	पहला पहलू	दूसरा पहलू
i.	नकद से खरीदा गया सामान		
ii.	सिमरन को नकद अदा किया		
iii.	ब्याज प्राप्त किया		
iv.	बिजली खर्च का भुगतान		
v	राहुल को बेचा गया सामान		

5. चालू व्यवसाय अवधारणा से आप क्या समझते हैं? लिखिए।

6. निम्नलिखित कथनों में लेखांकन अवधारणा को पहचानिए और लिखिए:

i. व्यापार लेनदेन मुद्रा में होना चाहिए।

ii. व्यवसाय अनिश्चित काल के लिए अपनी गतिविधियों को जारी रखेगा।

iii. पुस्तकों में दर्ज किए जाने वाले हर लेन-देन के खातों में दो प्रभाव होते हैं।

राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान

माध्यमिक पाठ्यक्रम : लेखांकन

पाठ 2 : लेखांकन अवधारणाएँ एवं परिपाटियां

कार्यपत्रक - 2

iv. हर साल एक ही लेखांकन के तरीके को अपनाया जाना चाहिए।

7. सरता की परिपाटी को परिभाषित कीजिये और लेखांकन में इसके महत्व को भी स्पष्ट कीजिये ।

8. व्यवसाय इकाई अवधारणा की व्याख्या कीजिये ।

9. एक लेखांकन अवधारणा मानती है कि सभी व्यापारिक लेन-देन मुद्रा में व्यक्त किए जाने चाहिए। इस लेखांकन अवधारणा का महत्व स्पष्ट कीजिए।

10. 'लेखांकन परिपाटियों' से आप क्या समझते हैं?